

स्वस्थ भारत बनाने के संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ अभियान



मुम्बई। 'मेरा भारत, स्वस्थ भारत' अभियान के समापन समारोह में ब्र.कु.योगिनी, डॉ.अशोक मेहता, ब्र.कु.रमेश शाह, ब्र.कु.मीरा, डॉ.बनारसी लाल शाह, डॉ.प्रताप मिश्रा समस्त अभियान दल के सदस्यों के साथ समूह चित्र में।

मुम्बई। बीस हजार किलोमीटर की यात्रा कर मुम्बई पहुंची पांच यात्राओं के सदस्यों के चेहरे पर थकान नहीं वरन् नयी उर्जा व नये उमंग का उत्साह दिखलाई दे रहा था। भारत के हर वासी को सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रदान करने की वह अद्भुत लालसा उनमें शक्ति का संचार कर रही थी। अभियान के सदस्यों में नि:स्वार्थ भाव से की गई सेवाओं से मिला हुआ अर्थ का बल सभी को अभिभूत कर रहा था। भारत में किसी गैर सरकारी संस्था द्वारा चलाये गये स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों में ब्रह्माकुमारी संस्था के मेडिकल विंग द्वारा चलाया गया 'मेरा भारत स्वस्थ भारत' अभियान अब तक का सर्वाधिक लम्बी दूरी तय करने वाला पहला अभियान है। यह अभियान इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। इसका समापन समारोह विलेपार्ले पश्चिम स्थित भाईदास हॉल में आयोजित किया गया।

ब्रह्माकुमारी ज राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के मेडिकल विंग के अध्यक्ष डॉ.अशोक मेहता तथा प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ.बनारसी लाल शाह के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वास्थ्य जागरूकता अभियान त्रिवेन्द्रम, देहरादून, भुवनेश्वर, गुवाहाटी तथा लखनऊ से शुरू होकर बीस हजार कि.मी. की कुल दूरी तय करते हुए मुम्बई में सम्पन्न हुआ। इस अभियान में दस लाख से अधिक लोगों

को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई। इन रैलियों द्वारा मार्ग में 2500 से अधिक जनसभायें संबोधित की गई। जिनमें लोगों को स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए इन बातों पर जोर दिया गया कि हम सादगीपूर्ण जीवन शैली अपनाकर, आहार में कुछ बदलाव लाकर, व्यायाम तथा राजयोग मेडिटेशन अपनाकर नकारात्मक आदतों को छोड़कर अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकते हैं तथा नये जमाने की तनाव-सम्बन्धी बीमारियों से बच सकते हैं। इस अभियान के दौरान गाँव, स्लम्स एरिया (झुग्गी, झोपड़ी, बस्तियां), स्कूल, कॉलेज, नर्सिंग स्कूल, मेडिकल कॉलेज, यूनिवर्सिटी, फार्मसी कॉलेज, हास्पिटल, आर्मी, एयर फोर्स तथा नेवी,

रोटरी क्लब, लायन्स क्लब, आकाशवाणी, केबल टीवी., प्रेस कॉन्फ्रेंस, सीनियर सिटीजन क्लब, जेल, ब्लाइण्ड स्कूल, व्यसन मुक्त केंद्रों इत्यादि में जाकर लाखों लोगों को स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गई। अत्यवस्थित जीवन शैली द्वारा होने वाली घातक बीमारियों से बचने के सुझाव भी दिये गये। व्यसन से होने वाली भयंकर बीमारियों से लोगों को अवगत कराया गया तथा व्यसन के आदि बने लोगों को होमियोपैथिक दवा देकर व्यसन मुक्त कराया गया। स्कूल एवं कॉलेजों में हेल्थ चेकअप शिविर भी आयोजन किये गये। जिन विशेषज्ञ डॉक्टरों तथा मेडिकल प्रैक्टिशनर्स ने इन यात्राओं के दौरान अपने अथक प्रयासों से विशाल जनसमुहों को स्वास्थ्य जागरूकता और व्यसन मुक्ति के लिए प्रेरित किया, उनके सम्मान में भाईदास हॉल, विलेपार्ले पश्चिम में अलग से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

समारोह के दौरान अभियान में भाग लेने वाले डॉक्टरों तथा स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अपने-अपने अनुभव सुनाये। अंधेरी में ब्रह्माकुमारी द्वारा संचालित बीएसईएसएमजी अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ.अशोक मेहता ने रैली के दौरान हुए अनुभव सुनाये। मुम्बई अस्पताल के हेड सर्जन डॉक्टर वी.एन.श्रीखंडे जी तथा प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री पूनम डिल्लो इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भी अपने विचार व्यक्त किये।

आगामी कुछ ही दशकों में अव्यवस्थित जीवन शैली और तनाव से जुड़ी हुई बीमारियाँ महामारी के स्तर तक घर-घर पहुंच जायेगी। डायबीटिज, हृदयरोग, कैंसर, एड्स, चिंता व तनाव से होने वाली बीमारियों की संख्या में अति वृद्धि हो जायेगी। आधुनिक मेडिकल विज्ञान, सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा इसे नियंत्रित करने के लिए शीघ्र ध्यान देने की आवश्यकता है। अभियान के दौरान राजयोग मेडिटेशन की विधि द्वारा डॉक्टर वी.एन.श्रीखंडे जी तथा प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री पूनम डिल्लो इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भी

अपने अथक प्रयासों से विशाल जनसमुहों को स्वास्थ्य जागरूकता और व्यसन मुक्ति के लिए प्रेरित किया, उनके सम्मान में भाईदास हॉल, विलेपार्ले पश्चिम में अलग से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

समारोह के दौरान अभियान में भाग लेने वाले डॉक्टरों तथा स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अपने-अपने अनुभव सुनाये। अंधेरी में ब्रह्माकुमारी द्वारा संचालित बीएसईएसएमजी अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ.अशोक मेहता ने रैली के दौरान हुए अनुभव सुनाये। मुम्बई अस्पताल के हेड सर्जन डॉक्टर वी.एन.श्रीखंडे जी तथा प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री पूनम डिल्लो इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भी अपने विचार व्यक्त किये।

आगामी कुछ ही दशकों में अव्यवस्थित जीवन शैली और तनाव से जुड़ी हुई बीमारियाँ महामारी के स्तर तक घर-घर पहुंच जायेगी। डायबीटिज, हृदयरोग, कैंसर, एड्स, चिंता व तनाव से होने वाली बीमारियों की संख्या में अति वृद्धि हो जायेगी। आधुनिक मेडिकल विज्ञान, सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा इसे नियंत्रित करने के लिए शीघ्र ध्यान देने की आवश्यकता है। अभियान के दौरान राजयोग मेडिटेशन की विधि द्वारा डॉक्टर वी.एन.श्रीखंडे जी तथा प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री पूनम डिल्लो इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भी

विवेन्द्रम और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तीव्र प्रगति और आर्थिक विकास के कारण हमें बहुत सुख और समृद्धि प्राप्त हुई है। लेकिन भौतिक समृद्धि होने के बावजूद भी स्पर्धात्मक वातावरण, मानसिक तनाव, आलस्य भरा जीवन, चर्बी युक्त आहार, अनेक प्रकार के व्यसन, अशुद्ध और अस्वच्छ वातावरण एवं बुरी आदतों के कारण मनुष्य स्वस्थ और सुखमय जीवन से कोसों दूर चला गया है। इसलिए भारत का प्रत्येक नागरिक स्वास्थ्य के लिए जागृत हो और सम्पूर्ण स्वस्थ निरोगी जीवन व्यतीत करे इसी उद्देश्य से यह प्रोजेक्ट तैयार किया गया है।



सदस्यता शुल्क
भारत - वार्षिक 140 रुपये, तीन वर्ष 410 रुपये
 आजीवन 1800 रुपये
विदेश - 1500 रुपये (वार्षिक)
 कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें।

पत्र-व्यवहार
संयुक्त संपादक : ब्र.कु.गंगाधर ओम शान्ति मीडिया
 ब्रह्माकुमारी, ज्ञानसरोवर, पो.वा.नं.-66
 माउण्टआबू (राज.)-307501, फोन - 02974 235036, EPABX -238788, फैक्स -02974 -238951, (M)- 9414154344 , E-mail : omshantimedia@bktiv.org

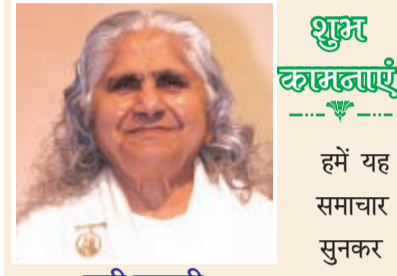
प्रति _____



ओमशान्ति मीडिया

(मेरा भारत, स्वस्थ भारत अभियान 2009 विशेषांक)

वर्ष - 10 अंक - 17 दिसम्बर-1, 2009 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 6.00 रु.



शुभ वरुद्धनाएँ
 दादी जानकी मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज

हमें यह समाचार सुनकर अति प्रसन्नता हो रही है कि इस वर्ष हमारे मेडिकल विंग के डबल डाक्टर्स ने बहुत ही दिल व जान से अथक बन पूरे भारत वर्ष में 'मेरा भारत स्वस्थ भारत' अभियान के अन्तर्गत अति प्रशंसनीय सेवायें की हैं। यह अभियान त्रिवेन्द्रम, देहरादून, भुवनेश्वर, गुवाहाटी तथा लखनऊ आदि राजधानियों से प्रारम्भ हुए और अपने मार्ग में आने वाले हर शहर, गांव वा कस्बे तक पहुंचकर जन-जन में एक नई जागृति लाने के निमित्त बने। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य था कि हर मानव को तन और मन के स्वास्थ्य से सम्बन्धित जानकारी दी जाए, उन्हें पौष्टिक आहार की शिक्षा, व्यसनमुक्त एवं तनावमुक्त जीवन जीने की कला एवं राजयोग के अभ्यास की विधियाँ सिखलाई जाए जिससे वे सम्पूर्ण स्वस्थ, निरोगी जीवन व्यतीत कर सकें।

ऐसे महान उद्देश्य को लेकर जिन डॉक्टरों भाई-बहनों ने नि:स्वार्थ भाव से अपनी सेवायें प्रदान की हैं, वे सचमुच प्रशंसा के पात्र हैं। मैं सद्दय से अपने अथक सेवाधारी भाई-बहनों को धन्यवाद देती हूँ, जिन्होंने अपने अति व्यस्ततम जीवन से कुछ समय समाज की इस सच्ची महान सेवा के लिए निकाला और हजारों भाई-बहनों की दुआओं के पात्र बने।

मैं राजयोगा एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के मेडिकल विंग के सभी सदस्यों को भी बधाई देती हूँ जिन्होंने इस विशाल, श्रेष्ठ तथा वृहद सेवा के लिए इस अभियान की योजना बनाई तथा अपने तन-मन-धन और समय का सहयोग देकर इसे सफल बनाया। इसके साथ-साथ उन सभी अभियान यात्रियों को तथा हर सेवा कार्य में सहयोगी भाई-बहनों का भी मैं कोटि-कोटि अभिनंदन करती हूँ जिनकी अथक मेहनत एवं प्रयास से इस अभियान ने अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया। आशा है ऐसी सेवायें आगे भी देते हुए सर्व की दुआओं के पात्र बनते रहेंगे।

‘मेरा भारत स्वस्थ भारत’ अभियान से जगी नये सूर्योदय की आस



त्रिवेन्द्रम। त्रावनकोर के महाराजाधिराज उथराडोम थिरूनल मार्तण्डय वर्मा उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए। मंचासीन है डॉ.अशोक मेहता, डॉ.बनारसी तथा अन्य।

त्रिवेन्द्रम। ब्रह्माकुमारी संस्था के राजयोग शिक्षा एवं शोध संस्थान के मेडिकल प्रभाग द्वारा चलाये गये देश व्यापी अभियान 'मेरा भारत स्वस्थ भारत' के अंतर्गत त्रिवेन्द्रम के कार्तिक थिरूनल थियेटर में आयोजित समारोह का उद्घाटन त्रावनकोर के महाराजाधिराज उथराडोम थिरूनल मार्तण्डय वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि केरल वासियों की परम्परा रही है कि प्रातःकाल मंदिर जाकर देवी की परिष्कार करने के बाद नतमस्तक हो। इससे मन व तन दोनों स्वस्थ रहते हैं। अब ब्रह्माकुमारीज ने

स्वास्थ्य के प्रति सचेत करने का जो अभियान शुरू किया है इससे नये सूर्योदय की उम्मीद जगी है। डॉ.अशोक मेहता ने कहा कि लोगों को भले ही संशय होगा कि क्या मुट्टी भर लोग देश का स्वास्थ्य परिदृश्य बदल सकते हैं? लेकिन मेडिकल प्रभाग के सदस्यों के हृदय से उठी तरंगें इस अभियान का आधार बनी है अतएव संशय की गुंजाइश नहीं रहती। हमारी मान्यता है कि साधना व स्वच्छ आहार के साथ-साथ व्यायाम के सहारे जीवन शैली को व्यवस्थित करके भयानक बीमारियों से बचाव

सम्भव है। केरल की स्वास्थ्य निदेशिका डॉ.शैलजा ने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि स्वार्इन पत्नी के फैलाव ने हाल ही में लोगों को आतंकित कर दिया था। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करके ऐसी स्थिति को टाला जा सकता है। ब्रह्माकुमारीयों का अभियान इस दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। सरकारी मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डॉ.रामदास पिरोशरी तथा फिल्म सोसायटी के निदेशक सूर्य कृष्णामूर्ति गुवाहाटीने भी अपने विचार व्यक्त किए।

देश की तस्वीर बदलने में सहायक होगा यह अभियान

लखनऊ। वर्तमान समय मानव के शारीरिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य का तीव्रता से हास हो रहा है इन परिस्थितियों को देखकर ही ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा चलाया जा रहा 'मेरा भारत स्वस्थ भारत' अभियान निश्चय ही देश की तस्वीर बदलने में सहायक होगा। उक्त विचार व्यक्त किए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एस.एन.शुक्ला ने। अवसर



लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एस.एन.शुक्ला, जी.बी.पंत अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.मोहित गुप्ता, डॉ.अशोक मेहता, डॉ.बनारसी लाल शाह तथा अन्य दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

था ब्रह्माकुमारीज मेडिकल विंग द्वारा चलाए जा रहे 'मेरा भारत, स्वस्थ भारत' अभियान के अंतर्गत 'लखनऊ से मुम्बई' तक की यात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम का। ब्रह्माकुमारीज मेडिकल विंग के अध्यक्ष डॉ.अशोक मेहता, सचिव डॉ.बनारसी लाल, हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ.मोहित गुप्ता तथा ब्र.कु.राधा बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

भुवनेश्वर से मुम्बई...

हरेक घंटे की नींद से शरीर को मात्र एक घंटे का ही आराम प्राप्त होता है। इसलिए देर से सोने वालों को सुबह देर तक सोने के बाद भी पूरी नींद नहीं मिल पाती है। सही समय पर सोयें, सही ढंग से सोयें और सही समय पर उठें। कई लोग देर रात तक सीरियल देखकर सोते हैं, यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सोने से पहले कुछ देर मेडिटेशन अवश्य करना चाहिए। इससे मन शांत भी रहेगा और नींद भी अच्छी आयेगी। रात्रि में 10 बजे तक सो जाना चाहिए और प्रातः जल्दी उठना चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए जीवन में उचित आहार, प्रेमपूर्ण व्यवहार, शारीरिक व्यायाम, राजयोग मेडिटेशन और सही जीवनशैली का होना जरूरी है। जो आहार हम खाते हैं, उससे शरीर का निर्माण होता है और उसी से बीमारी भी होती है। इसलिए स्वास्थ्य रहने के लिए सही आहार ले, सही समय पर लें और भूख लगने पर ही खायें। साथ ही कोशिश यह करें कि भरपेट न खाएं थोड़ा सा कम ही खाएं। इससे चुस्ती-फुर्ती बनी रहेगी।

विधायक नंद कुमार साहू ने 'मेरा भारत, स्वास्थ्य भारत' अभियान की सफलता के लिए शुभकामना देते हुए कार्यक्रम की सराहना की। समारोह को एम.के.सी.जी.मेडिकल कॉलेज भुवनेश्वर के प्रो.गोपबन्धु मिश्रा, फोरेंसिक विभाग के अध्यक्ष डॉ.रामकृष्ण भुसाले और क्षेत्रीय प्रशासिका ब्र.कु.कमला बहन ने भी सम्बोधित किया।

शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय में तनाव प्रबंधन कला पर बोलते हुए डॉ.दिलीप नलगे ने कहा कि चिकित्सा परीक्षणों से यह बात साबित हो चुकी है कि अधिकांश बीमारियों का सम्बन्ध मानसिक तनाव से होता है। तनाव से बचने के लिए हर परिस्थिति में खुश रहना सीखें। मेडिटेशन के माध्यम से हम अपनी आंतरिक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। राजयोग मेडिटेशन तनाव से बचने का सबसे बढ़िया तरीका है। इससे आत्मा को पूर्ण विश्रान्ति मिलती है। तनाव प्रबंधन द्वारा इसे कम करके इसके दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। अभियान में शामिल चिकित्सकों का स्वागत डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.विश्वजीत मिश्रा ने किया। इस अवसर पर फोरेंसिक विशेषज्ञ डॉ.रामकृष्ण भुसाले, ब्र.कु.दुर्गेश नंदनी, डॉ.आर.के.दुबे उपस्थित थे।

आरंग। रैली का शासकीय कन्या उच्च माध्यामिक शाला के सामने स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद रैली गाजे-बाजे के साथ कृषि उपज मंडी पहुंची। जहां एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ.दिलीप नलगे ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही हमें एक अच्छी जीवनशैली प्रदान करती है। डॉ.गोपबन्धु मिश्रा ने कहा कि तनाव ही हमारे जीवन की विभिन्न समस्याओं की जड़ है। ब्र.कु.दुर्गेश जीवन शैली में परिवर्तन कर एक स्वस्थ समाज की स्थापना की अपील की। इस कार्यक्रम के बीच-बीच में स्कूली छात्राओं द्वारा डाडिया, सुवा एवं पंथी नृत्य प्रस्तुत किया गया। ब्र.कु.सोनाली ने भी सभा को संबोधित किया।

यत्रा धमतीरी से होते हुए महबूबाबाद, वारंगल, सिकंदराबाद, हैदराबाद, बीदर, गुलबर्गा, सोलापुर, लातूर, नांदेड, औरंगाबाद, अहमदनगर, पुणे, लोनावाला से होते हुए मुम्बई पहुंची।

इस यात्रा से लाभान्वित होने वालों की संख्या है - 70880



हैदराबाद। इंडो अमेरिकन कैंसर इन्स्टीट्यूट में डाक्टर्स के समक्ष वैल्यू इन हेल्थ केअर पर अपने विचार रखते हुए डॉ.अशोक मेहता।



कटक। ब्र.कु.कमला सार्वजनिक कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए। मंच पर है सांसद भर्तहर महाबा, एससीबी मेडिकल कालेज के अध्यक्ष डॉ.चिन्मया तथा अन्य।



धमतरी। विधायक गुरुमुख सिंह होरा, सीईओ चुरेन्द्र नायक, ब्र.कु.सविता, डॉ.दुर्गेश, डॉ.दिलीप तथा अन्य शिक्खज लहराते हुए।



अहमदनगर। भारतीय कबड्डी टीम के खिलाड़ी पंकज जी यात्रा का स्वागत करते हुए।



लोनावाला। डॉ.दुर्गा प्रसाद व्यसनमुक्ति के लिए होम्योपैथी दवाइयां बांटते हुए।



भद्राचलम। अंसि ट्रिबल वेलफेयर आफिसर सीता रामुलु, डॉ.भुसाले, विधायक श्रीमती सत्यवती, ब्र.कु.दुर्गेश तथा अन्य।



रायपुर। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विधायक नंदकुमार साहू, क्षेत्रीय संयोजिका ब्र.कु.कमला बहन तथा अभियान के सदस्यगण।



सम्बलपुर। गायत्री परिवार की अध्यक्षा श्रीमती मिश्रा रैली का स्वागत करते हुए।



कुरुद। सार्वजनिक कार्यक्रम में मंचासीन है विधायक लेखराम साहू, ब्र.कु.सविता तथा अन्य।



करीमनगर। सार्वजनिक कार्यक्रम में मंचासीन है डॉ.गोपबन्धु, ब्र.कु.विजया, डॉ.श्यामला, आईएमए के अध्यक्ष डॉ.भूम रेड्डी, डॉ.श्यामसुंदर, ब्र.कु.दुर्गेश एवं ब्र.कु.मीनाक्षी।



बीदर। जेल में आयोजित कार्यक्रम में कैदी भाईयों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाते हुए।



बालासोर। जेल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अभियान के सदस्य कैदियों को सम्बोधित करते हुए।



डॉ.अशोक मेहता
अध्यक्ष
ब्रह्माकुमारीज मेडिकल विंग

'मेरा भारत, स्वस्थ भारत' अभियान के कार पात्रियों जिसमें ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े डाक्टर्स व नर्सस शामिल थे, उनके साथ-साथ चेतना के प्रसार का संकल्प पूरा करने वाली ब्रह्माकुमारी बहनों का विशेष

आभार है जिन्होंने न केवल कार पात्रियों के आवास का उत्तम प्रबंध किया बल्कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभाओं की व्यवस्था भी सुंदर ढंग से की। ब्रह्माकुमारी बहनों की लगन व सेवाभाव अद्वितीय है। वे न केवल शहरों बल्कि गांव स्तर पर भी सेवार्त हैं। शायद ही कोई अन्य ऐसी आध्यात्मिक संस्था होगी जिससे समर्पित डाक्टर्स, नर्सों व स्वास्थ्य के प्रति सचेत कार्यकर्ताओं का ऐसा विशाल समूह जुड़ा हुआ हो। अभियान की सफलता से सम्भव है कि प्रत्येक राज्य में दो सप्ताह या इससे अधिक अवधि के लिए कार पात्रा का आयोजन करने के विचार को सार्थक रूप प्रदान किया जा सकेगा। जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके।

इस अभियान का अभी समापन नहीं है क्योंकि भारत को सुस्वास्थ्य प्रदान करने हेतु ही राह अभियान सम्पन्न होगा। हमारे डाक्टर्स व नर्सस ने जिस मेहनत, लगन व सेवाभाव से गांवों में जाकर भोले भाले गांववासियों को स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी के अलावा उन्हें नशीले पदार्थों से होने वाली हानि, अंधविश्वास व गलत परम्पराओं से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक बनाया है, वह प्रशंसनीय है। हम उन स्थानों तक भी पहुंचे जहां कोई साधन व सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां के लोगों को इस सहयोग की अत्यंत आवश्यकता थी। हम लोगों को यह समझाने में सफल रहे कि गलत स्वानपान, अनिश्चित दिनचर्या व नकारात्मक संकल्प ही रोग उत्पन्न करने के मुख्य कारण हैं। जीवन शैली में परिवर्तन लाकर हम सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्राप्त कर सकते हैं। इस अभियान में सहयोगी सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूँ, विशेष रूप से डॉ.अशोक मेहता व ब्र.कु.योगिनी का।



डॉ.बनारसी शाह
सचिव
ब्रह्माकुमारीज मेडिकल विंग



हरिद्वार। योगाचार्य रामदेव महाराज अभियान के प्रति अपनी शुभकामनाएं लिखते हुए। साथ है ब्र.कु.डॉ.वासंती, डॉ.रामप्रकाश तथा अन्य।



ज्ञानसरोवर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद पुरली मनोहर जोशी को अभियान की जानकारी देते हुए डॉ.बनारसी लाल शाह।



जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अभियान के बारे में जानकारी देते हुए डॉ.बनारसी लाल शाह, ब्र.कु.सुषमा, ब्र.कु.चन्द्रिका, डॉ.सरिता तथा अन्य।



शांतिवन। राजस्थान के सूचना मंत्री अशोक बिरवा को अभियान की जानकारी देते हुए डॉ.बनारसी लाल शाह। साथ है ब्रह्माकुमारीज के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर।



कोच्ची। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश वी.आर.कृष्णा अय्यर के साथ डॉ.इंदिरा, ब्र.कु.मटिल्ला, डॉ.मजूनाथ, डॉ.उमा रानी, डॉ.सचिन, अतुल, ब्र.कु.योगी, पूजा बहन।



बैंगलोर। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री श्रीरामुलु को अभियान के दौरान की जा रही सेवाओं की जानकारी देते हुए अभियान के सदस्य।

अध्यात्म से मिलेगा सम्पूर्ण स्वास्थ्य



देहरादून। विकास के भ्रम को अपनाया हुआ मानव भौतिक प्राणियों की होड़ में लगा हुआ तनावग्रस्त हो रहा है। बदलती जीवनशैली तथा गलत खान-पान के कारण वह नई-नई बीमारियों का शिकार हो रहा है। आज आवश्यकता है कि भौतिकता के साथ आध्यात्मिकता का भी जीवन जीने की शैली अपनाए की प्रेरणा दी जाएगी। अभियान के दौरान स्वास्थ्य तथा सर्वांगीण विकास प्राप्त कर सकें। इसी पावन उद्देश्य को लेकर ब्रह्माकुमारी संस्था के मेडिकल प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 'मेरा भारत स्वस्थ भारत' अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान के निदेशक तथा मेडिकल

पुभाग वेद कार्यकारी सचिव डॉ.बनारसीलाल शाह ने इस अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि इस अभियान द्वारा दुःखी, हताश मरीजों की सेवा की जाएगी तथा सभी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जायेगा। उन्हें स्वस्थ जीवन जीने की शैली अपनाए की प्रेरणा दी जाएगी। अभियान के दौरान स्वास्थ्य तथा सर्वांगीण विकास प्राप्त कर सकें। इसी पावन उद्देश्य को लेकर ब्रह्माकुमारी संस्था के मेडिकल प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 'मेरा भारत स्वस्थ भारत' अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान के निदेशक तथा मेडिकल

पुभाग वेद कार्यकारी सचिव डॉ.बनारसीलाल शाह ने इस अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि इस अभियान द्वारा दुःखी, हताश मरीजों की सेवा की जाएगी तथा सभी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जायेगा। उन्हें स्वस्थ जीवन जीने की शैली अपनाए की प्रेरणा दी जाएगी। अभियान के दौरान स्वास्थ्य तथा सर्वांगीण विकास प्राप्त कर सकें। इसी पावन उद्देश्य को लेकर ब्रह्माकुमारी संस्था के मेडिकल प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 'मेरा भारत स्वस्थ भारत' अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान के निदेशक तथा मेडिकल

त्रिवेन्द्रम से मुम्बई...

त्रिवेन्द्रम में भव्य उदघाटन के साथ आरंभ हुई यह यात्रा कोल्लम, अलेपी, कोच्चि, त्रिसूर से होते हुए कोयम्बटूर पहुंची।

कोयम्बटूर। 'मेरा भारत, स्वस्थ भारत अभियान' के कोयम्बटूर पहुंचने पर पिचनौर इंटरमिडिएट स्कूल स्कूल की प्रधानाचार्या मिसेज तिरूमंगला, पंचायत के अध्यक्ष भिलस्वामी और स्कूल के बच्चों के माता-पिता ने रैली में शामिल डॉक्टरों का स्वागत किया।

डॉ. इंदिरा ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें अच्छी हेल्थ के लिए स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, उचित आहार और नियमित व्यायाम करने की आदत डालना बहुत ही जरूरी है।

लक्ष्मी-नारायण विशालकाशी आर्ट्स एण्ड साइंस कॉलेज में बोलते हुए पूजा बहन और अनुल भाई ने रैली का उद्देश्य बताते हुए माइंड प्रबंधन के बारे में संक्षिप्त रूप से बताया।

नेहरू महाविद्यालय आर्ट्स एण्ड साइंस कॉलेज में डॉ. इंदिरा और पूजा बहन ने विद्यार्थियों और कॉलेज के स्टाफ को संबोधित किया।

ब्र.कु.राजेश्वरी ने सभी को मेडिटेशन का अभ्यास कराया। नारायण गुरु कॉलेज और भी.एल.बी. जानकीमल आर्ट्स एण्ड साइंस कॉलेज में डॉ.सचिन ने 'स्वस्थ जीवनशैली और मेडिटेशन का महत्व' विषय पर लोगों को बताया। इस कार्यक्रम में लगभग 1500 लोगों ने भाग लिया।

डॉ. उमा रानी के नेतृत्व में दूसरे ग्रुप ने नरसिंहपुरम में नारायण गुरु कॉलेज, कोवी कालिंगल इंजिनियरिंग कॉलेज, नरसिंहपुरम में उपस्थित विद्यार्थियों को मेडिटेशन का अभ्यास कराया। और मिथिडल ने सकारात्मक सोच से होने वाले फायदे के बारे में विस्तार से बताया।

रामकृष्ण अस्पताल के नर्सिंग सुपरिन्टेंडेंट मिसेज विजयालक्ष्मी ने सभी नर्सों को माउंट आबू में होने वाले काफ्रेन्स में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया। के.जी.अस्पताल में दादी की यादों को स्लाइड शो के माध्यम से दिखाया गया।

कोयम्बटूर से निकलकर यात्रा मद्राई, तिरुचिरापल्ली, पांडिचेरी, चेन्नई, कांचीपुरम, विल्लोर, कृष्णागिरी, से होते हुए बैंगलूर पहुंची।

बैंगलूर में रैली का स्वागत टाउन हाल सर्किल में रखा गया जहां हजार से अधिक लोग उपस्थित थे। बैंगलूर मेडिकल कालेज में स्टूडेंट्स को तनाव प्रबंधन के उपर समझाया गया। विश्वेश्वरैया कालेज दो सौ पीयूसी छात्रों को सकारात्मक चिन्तन विषय पर समझाया गया। वनीविलास हास्पिटल में नर्सों के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। आनंदपुरा में गरीब व पिछड़े हुए लोगों के इलाके में जाकर उन्हें व्यसन मुक्ति के बारे में समझाया गया। कोकोकोला कम्पनी में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। बीएड कालेज में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। बीएड कालेज में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बैंगलूर से निकलकर यात्रा चित्रदुर्ग, दावनगिरी, हुबली, धारवाड़, पणजी, बेलगाम, कोल्हापुर, सांगली, कराड, सतारा, महाबलेश्वर, अलीबाग, पनवेल, अम्बरनाथ से होते हुए मुम्बई पहुंची।

इस यात्रा से लाभान्वित होने वाले कुल लोगों की संख्या है -65828, कुल कार्यक्रम -369

कोयंबटूर। ब्र.कु.अनुल, लक्ष्मीनारायण कालेज के छात्रों व शिक्षकगण को सम्बोधित करते हुए।

कोयंबटूर। ब्र.कु.अनुल, लक्ष्मीनारायण कालेज के छात्रों व शिक्षकगण को सम्बोधित करते हुए।



चेन्नई। डॉ.अशोक मेहता स्टेनली हास्पिटल की नर्सों को सम्बोधित करते हुए।



सतारा। सैनिक के छात्रों को एक्सरसाइज कराते हुए अभियान दल के सदस्यगण।



दावनगिरी। डॉ.अल्पा स्कूल की छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए।



अलेपी। जवाहर नवोदय विद्यालय के बच्चों ध्यानपूर्वक स्वास्थ्य संबंधी शिक्षाएं सुनते हुए।



कराड। आइएमए के डाक्टरों को सम्बोधित करते हुए अभियान के डाक्टरों।



त्रिची। स्कूल के बच्चों के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान का दृश्य



शांतिवन। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ.अनिल को अभियान की जानकारी देते हुए डॉ.बनारसी।



लुधियाना। विधायक दर्शनसिंह के साथ अभियान दल के सदस्यगण।



वलसाड। अभियान के अंतर्गत आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में मंचासीन हैं स्वामीनारायण संस्थान के संत हरिप्रसाद जी, डॉ.निरंजना तथा अन्य।



पटियाला। सुखदेव सिंह जी के साथ अभियान दल के सदस्य।



माउण्टआबू। नगर पालिका अध्यक्ष जालमगिरी के साथ अभियान दल के सदस्यगण।



तलोद-अहमदाबाद। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के दौरान का दृश्य।

देहरादून से मुम्बई...

इस शिविर में बासनी गांव के 650 से अधिक बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें आयरन एवं विटामिन ए वितरित किया गया। तत्पश्चात उद्यमियों एवं कार्मिकों के लिए व्यसन मुक्ति, स्वस्थ जीवन शैली व तनाव मुक्ति पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। स्वास्थ्य परीक्षण हेतु डॉ.चौहान, डॉ. फौजदार, डॉ. जे पी चौधरी, डॉ. धनन्जय सिंह शेखावत, डॉ. हेमराज चौधरी ने सहयोग दिया। ब्र.कु.चंद्रशेखर ने स्वास्थ्य परीक्षण हेतु आये बच्चों को मेमोरी फॉवर एवं एकाग्रता शक्ति बढ़ाने हेतु प्रैक्टिकल टिप्स एवं कुछ अभ्यास सिखाए। अपर जिला कलेक्टर हरजीलाल अटल ने मेरा भारत स्वस्थ भारत अभियान के तहत आयोजित विशाल स्वास्थ्य शिविर की सराहना की।

सिरोही। लॉयंस क्लब, जे.वाटूमल ग्लोबल हास्पिटल एवं स्थानीय ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में विशाल निःशुल्क नेत्र जांच व चिकित्सा एवं व्यसन मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। 500 बच्चों के नेत्र जांच कर दवाईयां वितरण की गई। सिरोही सेवाकेन्द्र पर 220 मरीजों के नेत्र जांचकर 25 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हीत कर निःशुल्क ऑपरेशन के लिए ग्लोबल हास्पिटल माउण्ट आबू भिजवाया एवं शेष को निःशुल्क दवाईयां वितरण कर निदान किया गया। अभियान दल के सदस्यों द्वारा आदर्श विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं को शुद्ध खान-पान, व्यायाम, सम्यक जीवन शैली और व्यसन मुक्ति की जानकारी देने के साथ आदर्श चरित्र जीवन शैली यापन करने के बारे में प्रेरित किया गया। शाम को होटल कल्पतरु में मेडिकल विंग डॉक्टरों द्वारा व्यसन मुक्ति बीमारियों के लक्षण और बचाव व निदान की जानकारी दी। अंत में लॉयंस क्लब के सदस्यों द्वारा रैली के मेडिकल डॉक्टरों का गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में गुलदस्ते व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

माउंट आबू। नीलकंठ महादेव मंदिर में आयोजित चिकित्सा शिविर को कार्यक्रम को नगर पालिका अध्यक्ष जालमगिरी ने सम्बोधित किया।

ग्लोबल अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रताप मिह्ता ने अस्पताल की ओर से चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य सम्बंधी योजनाओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि हम दवाई के साथ-साथ मेडिटेशन भी करते हैं तो इससे बीमारी जल्द ही ठीक हो जाती है क्योंकि इससे मन में पॉजिटिव ऊर्जा का संचार होता है जो कि हमें स्वस्थ व्यक्तित्व प्रदान करता है।

नीलकंठ महादेव मंदिर के महंत जगन्नाथगिरी ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक आहार के अंतर्गत आयरन कैल्शियम, विटामिन, प्रोटीन आदि तत्वों से भरपूर सब्जियां, अंकुरित अनाज व आयोडीन नमक लेने से शरीर व बुद्धि का विकास होता है।

नीलकंठ मंदिर प्रबंधन समिति अध्यक्ष रामसिंह तथा मंदिर प्रबंधक लूमसिंह ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। नीलकंठ महादेव मंदिर व ओरिया गांव में लगाए गए निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर में शहर व ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न व्यक्तियों से ग्रस्त 500 से भी अधिक रोगियों ने चिकित्सा वैज्ञानिकों से अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई।

इस यात्रा से लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या है -102794



भरुक। पीटीसी कालेज की छात्राएं स्वास्थ्य से सम्बंधित जानकारियां लेते हुए।



माउण्टआबू। स्कूल के छात्र-छात्राएं कार्यक्रम के दौरान।



किशनगढ़ (राज.)। पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का दृश्य।



चन्द्राला-गांधीनगर। उमा संस्कार कन्या विद्यालय की छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए।



जींद (हरि.)। ब्र.कु.लक्ष्मी सनान स्नाकोत्तर महिला कालेज की छात्राओं एवं शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए।



पानीपत। नगरवासियों द्वारा सम्मानित ब्र.कु.जयश्री, डॉ.ज्योत्सना, ब्र.कु.लक्ष्मी, डॉ.वासंती, डॉ.जमीला एवं डॉ.किरण।

‘गुवाहाटी से मुम्बई’ यात्रा से समाज का हर वर्ग हुआ लाभान्वित

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री तरुण गो गोई ने ब्रह्माकुमारी संस्था के ‘मेरा भारत स्वस्थ भारत’ अभियान के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन में कहा कि सुरक्षित पेयजल तथा स्वास्थ्य चेतना अच्छी सेहत की कुंजी है। मधुमेह, रक्तचाप आदि बीमारियों का मुख्य कारण जीवनशैली में बदलाव है। गांव में बसने वाले लोगों को सादे जीवन के कारण ऐसी बीमारियां शहरियों की अपेक्षा कम जकड़ती हैं। इसके बावजूद ब्रह्माकुमारीज जैसे स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सरकार का कर्तव्य है कि सभी को अच्छे स्वास्थ्य के प्रति सचेत करें। गो गोई जी ने विश्वास व्यक्त किया कि ध्येयनिष्ठ बहनें व भाई इस लक्ष्य की प्राप्ति में अवश्य सफल होंगे।

बीएसईएसएमजी अस्पताल मुम्बई के सुविख्यात कैंसर सर्जन डॉ.अशोक आर.मेहता ने अपने मुख्य वक्तव्य में कहा कि अभियान का उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य शिक्षा का प्रसार, जीवन शैली सुधार, पौष्टिक भोजन व व्यायाम, नशा उन्मुलन तथा स्कूली विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाना है। राजयोगाभ्यास व सकारात्मक जीवन प्रणाली द्वारा मधुमेह, कैंसर, एड्स व हृदयरोग जैसे बिमारियों पर काबू पाया जा सकता है। टिब्रून समाचारपत्र समूह के अध्यक्ष टी.जी.बर्कूआ के अलावा माउण्टआबू से पधारे मेडिकल विंग के सचिव डॉ.बनारसी लाल शाह, डॉ.प्रताप मिह्ठा, डॉ.निरंजना शाह ने भी अभियान पर प्रकाश डाला।

स्वागत सम्बोधन उत्तरपूर्व व बंगलादेश उपजोन प्रभारी ब्र.कु.शीला ने दिया। न्यूरो सर्जन डॉ.भावेश काकोटी ने आभार जताया। स्वागत नृत्य सुरोज प्रिया ने प्रस्तुत किया। अनेक स्थानों पर निःशुल्क चैकअप शिविर आयोजित किए गये। गुवाहाटी उच्च न्यायालय, विश्वविद्यालय, कॉलेज कालेज व कैंसर इन्स्टीट्यूट में विशेषज्ञों के व्याख्यान हुए।

सारनाथ (वाराणसी)। मानव जीवन का वास्तविक व सम्पूर्ण आनंद स्वस्थ जीवन जीने में निहित है। सभी समस्याओं व प्रदूषण का मूल कारण मानव के अन्तर्मन में बढ़ता प्रदूषण है।

उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो.डॉ.श्याम जी रावत ने कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भौतिक समृद्धि के बावजूद स्पर्धात्मक वातावरण, मानसिक तनाव, असंयमित दिनचर्या, नकारात्मक जीवन शैली आदि से मानव जीवन दिन प्रतिदिन दुःखमय होता जा रहा है। जब तक हम मानसिक प्रदूषण को दूर नहीं करेंगे तब तक स्वस्थ



गुवाहाटी। ‘गुवाहाटी से मुम्बई’ यात्रा का उद्घाटन करते हुए असम के मुख्यमंत्री तरुण गो गोई, टिब्रून समाचारपत्र समूह के अध्यक्ष टी.जी.बर्कूआ, डॉ.अशोक मेहता, ब्र.कु.शीला बहन, डॉ.प्रताप मिह्ठा, डॉ.बनारसी लाल शाह, डॉ.निरंजना तथा अन्य।

समाज की स्थापना करना संभव नहीं है।

दैनिक जागरण के संपादक राघवेंद्र चड्डा ने जीवन में सकारात्मक सोच की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि हमें स्वस्थ रहने के लिए अपने नकारात्मक सोच व व्यवहार में परिवर्तन लाने की जरूरत है। हम अपने जीवन में आध्यात्मिकता को अपनाकर इन प्रयोगों द्वारा तन-मन को ओजपूर्ण रखें। उन्होंने मीडिया में भी ऐसे सकारात्मक व आध्यात्मिक बातों पर महत्व देने की आवश्यकता है।

मुख्य अतिथि प्रदेश पूर्व प्रमुख सचिव जे.एस.यादव ने कहा कि मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य ही संपूर्ण स्वास्थ्य की निशानी है। अपने आचरण व व्यवहार में सद्गुणों को लाने से पूर्ण स्वास्थ्य सम्भव है।

संस्था की क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु.सुरेन्द्र दीदी ने कहा कि मानव जीवन की समस्याओं का समाधान आध्यात्मिकता में निहित है। आध्यात्मिकता के माध्यम से ही हमारे जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की कला व मनोबल की वृद्धि होती है।

मुजफ्फरपुर। ब्रह्माकुमारीज के राजयोगा एजुकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन की मेडिकल विंग द्वारा चलाये जा रहे अभियान के नगर में पहुंचने पर चैपमैन स्कूल तथा एमडीडीएम कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किए गये। अभियान यात्रियों में शिमला के सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ.भंडारी, मुंबई से डॉ.अप्पा, चंडीगढ़ से शंकुतला बहन, वडोदरा से धरती बहन, माउंट आबू हरीशा भाई शामिल थे।

डॉ. भंडारी ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए सात्विक आहार लिया जाना चाहिए क्योंकि भोजन के सूक्ष्म अंश से मन के विचार बनते हैं। तनावग्रस्त होने से विचार संकीर्ण हो जाते हैं एवं आत्मविश्वास कम



सारनाथ (वाराणसी)। प्रो.डॉ.श्याम रावत संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए। मंच पर हैं दैनिक जागरण के सम्पादक राघवेंद्र चड्डा, ब्र.कु.सुरेन्द्र तथा अन्य।



गोंगटोक। विधानसभा के स्पीकर ग्याल्त्सेन को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.शोफाली। साथ हैं डॉ.अप्पा व डॉ.प्रीति।



मिर्जापुर। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए आईएमए के अध्यक्ष सी.पी.सिंह, डिप्यूटी सीएमओ डॉ.उपरेटी, डॉ.प्रीति, डॉ.अनिल तथा अन्य अभियान दल के सदस्य।



मुजफ्फरपुर। मेडिकल कालेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मेडिकल कालेज के डीन डॉ.सिन्हा, डॉ.अशोक मेहता तथा अन्य।



समस्तीपुर। आईएमए के अध्यक्ष डॉ.डी.के.मिश्रा, सचिव डॉ.डी.एस.सिंह, ब्र.कु.प्रीति, ब्र.कु.अनिल, डॉ.रीनर बार्थ तथा अन्य गेट दूरोदर कार्यक्रम के दौरान।



समस्तीपुर। आईएमए के अध्यक्ष डॉ.डी.के.मिश्रा, सचिव डॉ.डी.एस.सिंह, ब्र.कु.प्रीति, ब्र.कु.अनिल, डॉ.रीनर बार्थ तथा अन्य गेट दूरोदर कार्यक्रम के दौरान।



गुवाहाटी। नहरा गांव में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए अभियान दल के डाक्टरस।



गोलपारा (गुवाहाटी)। सैनिक स्कूल में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता शिविर दौरान उपस्थित स्कूल के छात्र तथा अन्य।

विधिवत उद्घाटन आरक्षी अधीक्षक अजिताभ कुमार ने किया। सभा को संबोधित करते हुए पुलिस कप्तान ने कहा कि ऐसे अभियान की वर्तमान समय में मांग है क्योंकि हर व्यक्ति आज किसी न किसी बीमारी का शिकार हो रहा है। इस अभियान की सफलता के लिए उन्होंने शुभकामनायें दीं।

डॉ. डी.के.भंडारी ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने संपूर्ण स्वास्थ्य उसे माना है जिसमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य समाविष्ट हो। उन्होंने कहा कि इस संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जी ने कहा कि आध्यात्मिकता से विमुक्त होना ही 90 प्रतिशत बीमारियों का कारण है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारा आध्यात्मिक स्वास्थ्य विकसित नहीं होगा तब तक बड़ी-बड़ी डिग्रियां, दवाईयां या किसी प्रकार का इलाज हमें स्थायी रूप से स्वस्थ नहीं बना सकता। वडोदरा कॉलेज के एसोसिएट प्रो. डॉ. अनिल ने बताया कि दुनिया में सभी बीमारियों का कारण तनाव है और तनाव का कारण मैं और मेरा इनका नकारात्मक प्रयोग है।

आस्ट्रेलिया से पधारे रेनर बर्थ ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि भारत में शांति और खुशी की खोज में आया तो उनका सम्पर्क ब्रह्माकुमारी से हुआ और यहां का मेडिटेशन सीखने से मेरी खोज पूरी हुई और मैं हिप्पी से हैप्पी बन गया।

यह यात्रा पटना, हाजीपुर, छपरा, सिवान से होते हुए बलिया पहुंची।

बलिया के सांसद नीरज शंखर ने यात्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था स्वास्थ्य जागरूकता के लिए जो अभियान चला रही है वह निश्चित रूप से सफल होगा।

स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.उमा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वाराणसी से होते हुए मिर्जापुर, रेवा, कटनी, जबलपुर, सिवनी, नागपुर, अमरावती, अकोला, भुसावल, जलगांव, परोला, धुलिया, नासिक होते हुए रैली ने मुम्बई में कदम रखा।

यात्रा के दौरान अनेक स्कूलों, कालेजों, जेलों, पब्लिक कार्यक्रमों, अस्पतालों, मेडिकल कालेजों, सीनियर सिटीजनों के लिए आयोजित कार्यक्रमों, रोटी व लायंस क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रमों, व्यवस मुक्ति शिविरों से लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या थी - 43757

समस्तीपुर। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र में आयोजित कार्यक्रम का



बलिया। सांसद नीरज शंखर, आस्ट्रेलिया के रेनर बर्थ, ब्र.कु.उमा व डॉ.प्रीति कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए।



गुवाहाटी। ब्र.कु.कविता कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए। मंच पर हैं डॉ.अशोक मेहता, डॉ.प्रताप मिह्ठा तथा डॉ.निखिल पटेल।



ब्र.कु.हरीश स्कूल के छात्र-छात्राओं को व्यायाम सिखाते हुए।



रैवा। नर्सिंग कालेज की छात्राएं अभियान दल के डाक्टरों से स्वास्थ्य से सम्बन्धित जानकारी से लाभान्वित होते हुए।



पटना। पब्लिक कार्यक्रम में वक्ताओं के विचार सुनते हुए नगर के प्रबुद्ध जन।